अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में नहीं चला जेनरेटर

ग्रिड की बिजली ने बचाया 1.27 लाख लीटर डीजल

- **इतना डीजल जलता तो बड़े पैमाने पर होता कार्बन व पार्टिकुलेट मैटर्स का उत्सर्जन**

नई दिल्लीः 28 नवंबर। प्रगति मैदान में 14 दिनों तक चले अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में बिना किसी जेनरेटर के, बीआरपीएल ने ग्रिड की बिजली से निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की। जेनरेटर न चलने की वजह से 1.27 लाख लीटर डीजल की बचत हुई।

अगर जेनरेटर चलता तो उसके लिए 1.27 लाख डीजल जलाना पड़ता, जिससे पहले से ही खराब दिल्ली का पर्यावरण और अधिक प्रदूषित होता। 1.27 लाख लीटर डीजल जलने से पर्यावरण में 2160 किलोग्राम नाइट्रोजन ऑक्साइड और 135 किलोग्राम 2. 5–पार्टिकुलेट मैटर्स का उत्सर्जन होता।

यह पहला मौका था, जब बिना किसी जेनरेटर के इतने बड़े इवेंट का आयोजन किया गया, जिसमें कई देशों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। चूंकि ईपीसीए ने 15 मार्च तक दिल्ली–एनएसीआर में डीजल जेनरेटरों के इस्तेमाल पर रोक लगा रखी है, लिहाजा, पूरा का पूरा व्यापार मेला ग्रिड की बिजली पर ही निर्भर था।

प्रगति मैदान में इंटरनैशनल ट्रेड प्रमोशन ऑर्गनाइजेशन यानी आईटीपीओ के पास 5.95 मेगावॉट बिजली का सैंक्शंड लोड था, लेकिन उसे अस्थायी रूप से, और 3 मेगावॉट अतिरिक्त बिजली की जरूरत थी। बीआरपीएल ने रेकॉर्ड समय में, 3 मेगावॉट के इस अस्थायी कनेक्शन के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर बिछाया और निर्बाध बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराई।

चूंकि यह एक अंतरराष्ट्रीय आयोजन था, इसलिए किसी भी तरह का रिस्क न लेते हुए बीआरपीएल ने अतिरिक्त 2 मेगावॉट की ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता भी विकसित की। इसके लिए, वहां 990 एमवीए के 3 ट्रांसफॉर्मर लगाए गए और परिसर के अंदर ही मोबाइल पैकेज्ड सब–स्टेशनों की तैनाती की कई। बीआरपीएल ने वहां हर स्तर पर एक बिजली के डबल स्रोत की व्यवस्था की, जिसने यह सुनिश्चित किया कि अगर एक स्रोत में कुछ दिक्कत भी आ जाए, तो दूसरा स्रोत ऑटोमैटिक तरीके से मोर्चा संभाल ले और किसी भी हाल में बिजली गुल न हो।

व्यापार मेले के सफल आयोजन पर बीआरपीएल के सीईओ श्री अमल सिन्हा ने कहा– इस 14 दिवसीय आयोजन के दौरान बिना किसी फ्लक्चुएशन के, सही वॉल्टेज के साथ बिजली की निर्बाध आपूर्ति का पूरा जिम्मा बीआरपीएल के कंधे पर था, क्योंकि किसी भी सूरत में वहां जेनरेटर का इस्तेमाल नहीं हो सकता था। आईटीपीओ के साथ मिलकर बीआरपीएल ने सभी चुनौतियों पर खरा उतरते हुए इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन के दौरान निर्बाध बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित की।

उन्होंने कहा कि इस आयोजन के दौरान पूरी तरह से ग्रिड की बिजली का इस्तेमाल होने के कारण, 1.27 लाख लीटर डीजल की बचत हुई। अगर जेनरेटर चलता, तो उसके लिए 1.27 लाख डीजल जलाना पड़ता, जिससे पर्यावरण में 2160 किलोग्राम नाइट्रोजन ऑक्साइड और 135 किलोग्राम 2.5–पार्टिकुलेट मैटर्स का उत्सर्जन होता, जिससे पर्यावरण और खराब होता।

गौरतलब है कि जबसे दिल्ली–एनसीआर में डीजल जेनरेटरों पर प्रतिबंध लगा है, तबसे बीएसईएस बिना किसी जेनरेटर के, इंडिया–न्यूजीलैंड टी20 मैच, और अब अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला जैसे हाई प्रोफाइल आयोजन सिर्फ ग्रिड की बिजली के सहारे करवा चुकी है।

प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।